प्रवाह

जनवरी 2021 अष्टदश अंक

आर. सी. ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, मथुरा
का अर्द्धवार्षिक पत्र

In this Issue ....

- From the Principal's Desk
- Editorial
- Expert's Corner
- Students' Corner
- Bulletin Updates
- Achievements
- From Newspapers
- Memories

Editorial Board ....

Patron :
Dr. Preeti Johari
Chief Editor :
Dr. Anju Bala Agrawal
Creative Head :
Dr. Sandhya

Principal Desk

मेरे प्रिय छात्राओं एवं सुधी अभिभावकों

आज फिर ''प्रवाह'' के माध्यम से आप से संवाद का अवसर प्राप्त हुआ है परन्तु इस बार सब कुछ पूर्ववत नहीं है। अन्य वर्षों की तरह ही जब हम सबने नव वर्ष 2020 का स्वागत किया था जब यह कोई नहीं जानता था कि यह वर्ष अपने भीतर कितनी बड़ी आपदा समेटे हुए है। वर्ष के प्रारम्भ से जिस विषाणु कोविड–19 का नाम पहली बार सुना, मार्च के अंत तक बढ़ते–बढ़ते इसने एक जानलेवा महामारी का ऐसा विकराल रूप धारण किया जिसने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया। जैसे, जिदंगी ही थम गई। व्यवसाय, बाजार, यातायात, पर्यटन, मंदिर, स्कूल–कॉलेज, सब कुछ बंद। हर कार्य स्थगित, हर रोजगार ठप्प। जो जहाँ था, वहीं ठहर गया। एक अभूतपूर्व अनुभव–हर मन आशंकित, भयभीत। और तो ओर, लोग आपस में ही एक दूसरे से दूर–दूर, मन नही मन अशंकित कि कहीं सामने वाला कॉरोना ग्रस्त तो नहीं ? ऐसा अनुभव जो बच्चों, वयस्कों और वृद्धों सभी के लिए बिल्कुल नया था। अपने–अपने कार्यों से इस अप्रत्याशित विराम से आर्थिक और जीवन यापन का बड़ा संकट उत्पन्न हो गया।

समाज के अन्य घटकों की तरह शिक्षण संस्थाएं भी इसके प्रभाव से बची नहीं रह पाई। स्पष्ट है, अर्थ व्यवस्था, शिक्षा, व्यवसाय, इन सबसे बड़ी प्राथमिकता जीवन बचाने की थी। चिकित्सकों, पुलिस कर्मियों अन्य आवश्यक सेवाकर्मियों, सामाजिक संस्थाओं और सामान्य जनों ने जीवन बचाने, भोजन, मजदूरों को घर पहुँचाने और अन्य आवश्कताओं की पूर्ति के लिए कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य किया। वैश्विक आपदा के इस कठिन समय में, सेवाकार्यों में यह महाविद्यालय भी पीछे नहीं रहा। समाज के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों सहित अन्य छात्राओं ने निरंतर कार्य किया। महामारी से बचाव के लिए ''मास्क'' के महत्व को समझते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं, अन्य छात्राओं, शिक्षिकाओं और प्रबन्ध समिति के सहयोग से 13 जून 2020 को ''मास्क बैंक'' स्थापित किया गया जिसके द्वारा समय समय पर समाज के निम्न वर्गों यथा सफाई कर्मियों, रिक्शा व रेहड़ी चालकों, छोटे दुकानदारों आदि को मास्क वितरित किए गए।

शिक्षा के क्षेत्र में बादलों के बीच रूपहली रेखा की तरह ''ऑनलाइन शिक्षा'', एक प्रबल विकल्प के रूप में उभर कर आई जिसने न सिर्फ शिक्षण संस्थाओं को तकनीकी रूप से सुदृढ़ किया अपितु शिक्षकों और छात्रों दोनो के तकनीकी ज्ञान व उसके प्रायोगिक पक्ष को समृद्ध किया। बड़े संस्थानों और विश्वविद्यालयों तक सीमित ''ऑनलाइन शिक्षा पद्धति'', कोविड लॉकडाउन के समय में छोटे–छोटे स्कूलों व कॉलेजों द्वारा पूरी तरह आत्मसात कर ली गई।

इस दौरान ऑनलाइन पद्धति से संगोष्ठियों के आयोजन में भी क्रान्तिकारी प्रयोग प्रारंभ हुए। ऑनलाइन संगोष्ठियाँ (webinar) संवाद का सशक्त माध्यम बन कर उभरीं। महाविद्यालय द्वारा भी यह अभिनव प्रयोग करते हुए अनेक समसामयिक महत्व के विषयों पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को देश–विदेश के अनेकों विद्वानों को सुनने एवं उनसे संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। जिनमें Post Pandemic India Opportunities and Challenges (22 May 2020), How to Stay Physically and Emotionally Strong during COVID-19 (13th June 2020) प्रमुख हैं।

वर्ष का अंत आते–आते महामारी की भयावहता कम हुई और व्यवस्थाएं पटरी पर लौटाना आरंभ हुई। परीक्षा और प्रवेश के बाद सत्र 2020–21 की कक्षाएं नवम्बर माह से प्रारंभ हुई हैं। सामान्य होती व्यवस्थाओं के बीच महाविद्यालय प्रशासन निरंतर प्रयासरत है कि शिक्षण के साथ–साथ परा–शैक्षणिक गतिविधियाँ भी पूर्व वर्षों की भाँति वृहद् स्तर पर सम्पन्न हो सकें और इस गंभीर संकट के समय छात्राओं को हुई हर प्रकार की क्षति की पूर्ति की जा सके। हम सभी जानते हैं कि इस प्रकार की आपदाओं के बाद जीवन पुनः पल्लवित और पुष्पित होता ही है। महाकवि गोपालदास 'नीरज' के शब्दों में–

चन्द खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता है,
कुछ सपनों के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता है।

यह अभूतपूर्व वर्तमान जो कल इतिहास बन जाएगा, इससे सीख लेकर, इसकी कड़वी यादों को पीछे छोड़कर, हम सभी अपने–अपने लक्ष्यों की प्राप्ति और सुन्दर भविष्य के निर्माण के लिए पुनः प्रयत्नशील हों, इसी शुभेच्छा और शुभकामना के साथ।

– प्रीति जौहरी

Editorial

Dear Students

'COVID-19' What associated words come to your mind with this word? Was this only pandemic? Was this the first time when world faced a pandemic? No, so many ruthless pandemics and epidemics have come and gone which wreaked havoc on the lives of people. But this time it was different, it has brought a new revolution in the world. It has created dependency on the technology. As if, the advanced digital technology was being developed all these decades to survive this pandemic. Once upon a time where digital technology was limited to the young and educated people, now it has been in the reach of each and every human living on this earth. Our grandparents, who were born with the 'Azad Bharat', the times when country was learning to stand by itself. Their whole life passed witnessing the progressive world, new revolutions in each decade and learning to walk with the new world. Had they thought that in this old age they would have to witness this new kind of pandemic which entirely changed their way of living the life.

It's been more than a year and we are still learning to adapt this COVID-lifestyle. COVID-19 showed us the power of digital technology. We have attended weddings, funerals, farewells, birthdays virtually. Who could have imagined this era? It wasn't that virtual meets did not happen earlier, but it was only for oversees communication not for the neighbour next door. So, COVID couldn't stop life.

Online education might not be new for everyone, but it is entirely new phase when it comes to full-time virtual schooling. We were not equipped for conducting full-time education online. It was a challenge for institution's authority to arrange online channels to continue the education of students. It was a challenge for teachers to learn digital technologies and change teaching styles and to teach in front of camera. It was a big financial challenge for many parents to arrange electronic mediums and internet connection for their children. And the only challenge that students had to face in e-schooling was to concentrate on education. It was the challenge on students to focus on the online lectures and resist themselves from leisure net-surfing. Before COVID, digital platforms were not really used for multiple hours of schooling. Digital platforms were more used by students for leisure activities and social networking. But with the advent of full-time e-schooling, students would have to adapt new habits and use digital-platform for learning and avoid usage of digital-platform for leisure. As e-education is already increasing their screen-time and sitting time.

Change is inevitable. It is necessary to adapt oneself according to changing scenario. one has to be ready not only physically but also mentally for changing situation. The most important thing is that all of us should be digitally literate. Without digital literacy, everything is useless. We become handicapped without digital tools. Now we should prepare ourselves to focus on digital platform.

With best wishes.

- Anju Bala Agrawal

इवेंट मैनेजर - एक आकर्षक कैरियर विकल्प

डॉ. अंजुबाला अग्रवाल
प्रभारी अंग्रेजी विभाग

शादी, सगाई, जन्मदिन, मैरिज एनीवर्सरी हो या प्रोडक्ट लॉन्च, फिल्मी शो लॉन्च, फैशन शो, कॉरपोरेट इवेंट, थीम वेडिंग या कोई भी आयोजन हो, आप बिना किसी तनाव के आयोजन का आनन्द ले सकते हैं क्योंकि आज कई कंपनियाँ इवेंट मैनेजमेंट का काम करती हैं। वे क्लांइट या कम्पनी के बजट को ध्यान में रखकर प्रोग्राम के आयोजन से लेकर होटल की बुकिंग, डेकोरेशन, एंटरटेनमेंट, लंच, डिनर के लिए मेन्यू तैयार करवाने, गैस्ट का स्वागत जैसी तमाम जिम्मेदारियों का सटीक प्रबंधन करते हैं। इसके साथ उनके साथ कार्यकुशल लोगों की पूरी टीम होती है। अब दिल्ली, मुंबई, बंगलौर, पुणे जैसे महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों में भी इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों की लोकप्रियता और माँग तेजी से बढ़ रही है। दरअसल अब लोग ऐसे किसी भी आयोजन से जुड़े किसी भी काम के लिये परेशान होने की बजाय इन कंपनियों को प्रतिस्पर्धी दरों पर एक मुश्त सारा काम देकर निश्चिंत हो जाते हैं।

एक अनुमान के अनुसार अभी देशभर में दो हजार से अधिक इवेंट मैनेजमेंट कम्पनियाँ काम कर रही हैं। हाल के वर्षों में निजी कार्यक्रम भी इवेंट कंपनियों से कराये जाने के कारण इस क्षेत्र में कैरियर का स्कोप काफी तेजी से बढ़ रहा है। जिन युवाओं को इस तरह के प्रोग्राम हैंडल करना अच्छा लगता है और रचनात्मक रूझान है, वे किसी भी इवेंट कम्पनी, पी. आर. एजेंसी में इवेंट मैनेजर, एक्जीक्यूटिव या फिर को–ऑर्डिनेटर के रूप में एक अच्छी जॉब पा सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करके चाहे तो किसी बड़ी कम्पनी के ब्रांड विभाग में भी नौकरी पा सकते हैं। इस क्षेत्र का अनुभव हो जाने पर अपनी इवेंट मैनेजमेंट कम्पनी खोलकर भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं। इस तरह की कम्पनी आप अपने शहर में खोलकर अपने कैरियर को चार चाँद लगा सकते हैं। अगर आपकी कम्पनी के काम से लोग प्रभावित होते हैं, तो वे अपने जानने वालो से भी आपकी अनुशंसा करते हैं।

इवेंट मैनेजर का कार्य अब शादी पार्टियों तक ही सीमित नहीं है। चुनावों के मौकों पर राजनैतिक दलों व प्रत्याशियों का चुनाव अभियान भी ये बखूबी सँभाल रहे हैं। पहले जहाँ राजनीतिक दल खुद अपना कैंपेन किया करते थे, रैलियों व सभाओं के लिये दिन रात मेहनत करते थे, वहीं अब तमाम उम्मीदवारों व पार्टियों का इलैक्शन कैंपेन इवेंट मैनेजमेंट या पी. आर. कम्पनियाँ संभाल रही हैं। प्रत्याशी कम्पनियों को हायर करने लगे हैं। आज चुनावों में मीडिया मैनेजमेंट, रैली मैनेजमेंट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट आदि कार्यों के लिये इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से कार्य कराया जाता है। प्रोफेशनल तरीके से किये गये प्रचार प्रसार से पार्टियों को अपना अभियान तेजी से आगे बढ़ाने में लाभ मिलता है।

इस क्षेत्र में सफल होने के लिये ऊँची डिग्री होना जरूरी नहीं है। इसके लिये आप में प्रबंधन की कुशलता के साथ–साथ रचनात्मक सोच होनी चाहिये। देश में इवेंट मैनेजमेंट की पढ़ाई अभी हर जगह उपलब्ध नहीं है। कुछ विशेष संस्थानों में ही यह कोर्स कराया जा रहा है। मास कम्यूनिकेशन, जर्नलिज्म, पी.आर. के यूजी और पीजी लेवल के कोर्सेज में भी एक अलग मॉडयूल के तौर पर पब्लिक रिलेशन एवं एडवर्टाइजिंग जैसे विषय की पढ़ाई कराई जाती है। किसी इवेंट मैनेजमेंट कम्पनी में काम करके भी आप इस फील्ड की बारीकियाँ जान सकते हैं। कम से कम 12वीं तक की पढ़ाई तो इसके लिये आवश्यक है। इंटरनेट और यूट्यूब के जरिये भी खुद को अपडेट कर सकते हैं। कुछ संस्थानों में डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, पी जी डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट एवं पब्लिक रिलेशंस नाम से कोर्स चलाये जा रहे हैं। इस क्षेत्र का जोरदार स्कोप देखते हुये पी जी डी एम और एम बी ए डिग्री धारी युवा भी इस फील्ड में कैरियर बनाने के लिये प्रेरित हो रहे हैं। हालांकि गहरी रूचि है तो किसी भी स्ट्रीम की पढ़ाई करने वाले युवा इसमें आ सकते हैं। चूंकि यह एक नये तरह का जॉब है, जहाँ धन और ग्लैमर दोनों है, जिससे युवा इधर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। इस क्षेत्र में युवाओं का भविष्य भी अच्छा है, क्योंकि आज सभी कंपनियों को इवेंट मैनेज कराने के लिये प्रोफेशनल चाहिए।

Student's Corner ....

मोहिनी शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

सजदे में झुका रहे मेरा सर हरदम
हर पल बस तेरा दीदार हो जाए,
हर जनम मुझे माँ तू ही मिले
ये दुआ मेरी बस कबूल हो जाए।
देखे हैं हजारों रिश्ते माँ
पर तेरा रिश्ता निराला है,
ममता भरी मूरत है तू
तेरा नूर ही जग का सहारा है।
रिश्तों की ऐसी डोर है तू
जो खुद ही बस जुड़ जाती है,
बसते हैं हम तेरे दिल में
मजबूत ये डोर हो जाती है।
दुआ है बस रब से हरदम
कि साथ तेरा यूँ ही बना रहे,
बनी रहे मुस्कान हमेशा
और तेरा हाथ सर पर सदा रहे ....!

चौरी-चौरा

असमा
एम.ए. प्रथम वर्ष

सौ वर्ष पुरानी गाथा हम आज सुनाते है,
चौरी–चौरा घटना की हम याद दिलाते हैं।

1922 का वह 1 फरवरी था,
भगवान अहीर को जब गुप्तेश्वर ने पीटा।
महौल तभी बिगड़ा यह लोग बताते हैं,
चौरी–चौरा घटना की हम याद दिलाते हैं।

1922 की वह 4 फरवरी थी,
जब गोरखपुर में गोरों ने हद कर दी।
तब आग लगी कैसी यह आज बताते हैं,
चौरी–चौरा घटना की हम याद दिलाते हैं।

अंग्रेजी हुकुमत का अभिमान जला डाला,
धरती के सपूतों ने शैतान जला डाला।
उन वीर जवानों को हम शीश नवाते हैं,
चौरी–चौरा घटना की हम याद दिलाते हैं।

उपेक्षित राष्ट्रभाषा और हमारी मातृभाषाएं

भानूप्रिया
बी.ए. द्वितीय वर्ष

भारत में सारी दुनिया से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष अपनी मातृभाषा में बोलते हैं। वहीं अपने देश के नेता देश–विदेश में अंग्रेजी में बोलकर खुद को गौरवान्वित समझते हैं। सरकारी कामकाज की भाषा व्यवहार में आज भी अंग्रेजी ही है। न्यायालय के फैसले भी अंग्रेजी में मिलते हैं, जिन्हें अधिकतर लोग न पढ़ सकते हैं और न समझ सकते हैं। लोगों के मन में यह भ्रान्ति है कि अंग्रेजी पढ़कर ही उन्नति हो सकती है। इसलिए लोग गरीब होने के बावजूद अपने बच्चों को महँगे स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाते हैं। प्राथमिक से ही तीन भाषाओं को एक साथ पढ़ाया जाता है, जिसके कारण बच्चों को किसी भी भाषा का ज्ञान नहीं हो पाता और उन्हें अपनी संस्कृति का तो ज्ञान कतई नहीं हो पाता। हमारे कर्णधारों को देश की एकता, अखंडता, भाईचारा और देशप्रेम बढ़ाने के लिए बच्चों को मातृभाषा में कक्षा आठ तक शिक्षा देने का प्रावधान करना चाहिए। लोगों को जोड़ने के लिए एक राष्ट्रभाषा बनाई जाए, जिसमें सारे सरकारी कामकाज सम्पादित किए जाए। एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा तभी सार्थक होगी, जब एक राष्ट्र एक भाषा का फार्मूला लागू होगा।

मतदाता साक्षरता क्लब का गठन

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 13.01.2020 को जिला कलेक्ट्रेट में हुई बैठक के संदर्भ में 10 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन हेतु मतदाता साक्षरता क्लब का गठन किया गया। इस मतदाता साक्षरता क्लब में दस छात्राओं स्नेहा सैनी, लक्ष्मी शर्मा, प्रज्ञा परमिता, प्रीति, ज्योति कुमारी, शोभना पाल, शिवानी यादव, नन्दिनी, वैशाली, अंजलि मिश्रा सहित यामिनी वशिष्ठ को क्लब का ब्रांड अम्बेसडर बनाया गया। ब्रांड अम्बेसडर नाम की उद्घोषणा के साथ प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने छात्राओं को मजबूत लोकतन्त्र के लिए मतदाता साक्षरता की क्या आवश्यकता है और क्या उपयोगिता है इस पर छात्राओं से परिचर्चा की और इसके उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त जो छात्राएं 01 जनवरी 2020 तक 18 वर्ष की हो चुकी हैं उनको फार्म '6' भी वितरित किए गए। साथ ही क्लब की सदस्य छात्राओं को नोडल अधिकारी डॉ. नीतू गोस्वामी द्वारा उनके दायित्वों से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवायोजनाधिकारी डॉ. सीमा शर्मा ने मतदाता साक्षरता के संदर्भ में आयोजित करायी जाने वाली प्रतियोगिताओं के विषय में जानकारी प्रदान की।

अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन

दिनांक 17 जनवरी 2020 को महाविद्यालय में अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सावित्री देवी मूलचन्द स्मृति वाद–विवाद प्रतियोगिता, श्रीमती शांति देवी अग्रवाल (धर्मपत्नी स्व. श्री बैजनाथ जी सर्राफ) स्मृति हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता, श्री किशन लाल सर्राफ स्मृति अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता, श्री हरीश चन्द्र अग्रवाल एडवोकेट स्मृति भाषण प्रतियोगिता, श्री हरिदास अग्रवाल स्मृति सुगम संगीत प्रतियोगिता, श्री बालमुकुन्द कसेरे अंगूरी देवी स्मृति पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयीं जिसमें मथुरा जनपद के ही नहीं अपितु आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़ से आयी टीमों ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र मित्तल, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, श्री रामबाबू अग्रवाल, श्री राजेन्द्र सर्राफ, श्री विजय प्रकाश अग्रवाल, श्री कौशल किशोर जी महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी एवं पधारे समस्त निर्णायकों द्वारा सामूहिक रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सुगम संगीत प्रतियोगिता की प्रस्तुति से महाविद्यालय प्रांगण में उत्सव का सा माहौल बन

गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की जिसमें आर.सी.ए. महाविद्यालय की मयूरी माथुर प्रथम, के. आर. कॉलेज से शाम्भवी शर्मा द्वितीय एवं आर.सी.ए. महाविद्यालय से मानसी राजपूत तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका गजल गायक श्री गोपाल जी एवं सुगम संगीत गायिका श्रीमती काकुली अधिकारी जी ने निभायी। हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'अपनी सांस्कृतिक विरासत बचाना' था। इस प्रतियोगिता में आर.सी.ए. महाविद्यालय की उपमा प्रथम, के.आर. कॉलेज से सविता गंगवार द्वितीय एवं दाऊ दयाल पी.जी. कॉलेज फिरोजाबाद से आराधना तृतीय स्थान पर रहीं। इसके निर्णायक मण्डल में डॉ. विनय लक्ष्मी एवं श्री सोम जी रहे। अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'The Power of Positive Thinking' था। इस प्रतियोगिता में आर.सी.ए. महाविद्यालय से प्रज्ञा परमिता प्रथम, आर.सी.ए. महाविद्यालय से ही शिल्पा चक्रवर्ती द्वितीय एव ंबी.एस.ए. महाविद्यालय से दिव्यज्योति तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. सुलेखा जादौन एवं डॉ. शिखा मालवीय द्वारा निभायी गयी। वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय 'संसद सदस्य बनने के लिए शैक्षिक योग्यता का निर्धारण आवश्यक है' था। जिसमें आर.सी.ए. महाविद्यालय से खुशबू प्रथम, के.आर. गर्ल्स कॉलेज से निकिता वार्ष्णेय द्वितीय एवं के. आर. गर्ल्स कॉलेज से ही पूजा सारस्वत तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल का दायित्व निर्वहन डॉ. लक्ष्मी गौतम एवं डॉ. चन्द्रभान गुप्ता जी द्वारा किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'धारा 370 संशोधन सशक्त राष्ट्र की ओर नया कदम' था। इस प्रतियोगिता में आर.सी.ए. महाविद्यालय से शिल्पा चक्रवर्ती प्रथम, के.आर. गर्ल्स कॉलेज से अर्शी नाज द्वितीय एवं दाऊदयाल पी.जी. कॉलेज फिरोजाबाद से अनुराधा गोयल तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री किशन चतुर्वेदी वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक जौहरी जी उपस्थित रहें। 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता में आर.सी.ए. महाविद्यालय की गुंजन गौतम प्रथम, आर.सी.ए. महाविद्यालय से ही अंजलि द्वितीय, बी.एस.ए. कॉलेज से स्मृति श्रीलोचन तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका में सुश्री कल्पना सारस्वत एवं सुश्री अनुराधा रूहेला उपस्थित रहीं।

इन सभी प्रतियोगिताओं में महाविद्यालयों को टीम के अंकों के आधार पर ट्राफी भी प्रदान की गयी। अंग्रेजी निबंध, पोस्टर, सुगम संगीत व भाषण प्रतियोगिता की ट्राफी आर.सी.ए. गर्ल्स महाविद्यालय ने जीती। इन समस्त प्रतियोगिताओं की कार्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजूबाला अग्रवाल थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती सागर द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन से छात्राओं के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। इन प्रतियोगिताओं को प्रतिस्पर्धा के आधार पर लेना चाहिए और बेहतर से बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं धन्यवाद की पात्र हैं, जिन्होंने इस प्रतियोगिता में सहभागिता की है।

रोजगार मेला

दिनांक 18.01.2020 को महाविद्यालय में खजानी वुमेन्स इन्स्टीट्यूट और महाविद्यालय की कैरियर काउन्सलिंग प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। यह रोजगार मेला विशेष रूप से महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करने की दृष्टि से आयोजित किया गया। मेले में लगभग 470 युवतियों ने रोजगार हेतु पंजीकरण कराया। इस अवसर पर रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में ब्रज बिहार ग्रुप के एम.डी. श्री पवन चतुर्वेदी एवं श्रीमती रचना राठी, ट्रस्टी सीतादेवी तपारिया ट्रस्ट एवं खजानी वुमेन इन्स्टीट्यूट की सलाहकार बोर्ड की अध्यक्षा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र मित्तल, उपाध्यक्ष श्री रामबाबू जी, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल जी एवं डायरेक्टर डॉ. संध्या जी मंचासीन थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में रमनलाल शोरावाला पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती लता गोयल उपस्थित थीं।

प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने अपने उद्बोधन में विश्वास व्यक्त किया कि युवतियों को इस रोजगार मेले में उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप रोजगार प्राप्त होगा। मुख्य अतिथि श्री पवन चतुर्वेदी जी ने अपने उद्बोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण में खजानी की प्रशंसनीय योगदान की चर्चा की। रोजगार मेला इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। खजानी वुमेन्स की डायरेक्टर श्रीमती शिप्रा राठी जी ने अतिथियों एवं सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोजगार मेले में 35 कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रातः 11:00 बजे से सांय 04:30 बजे तक यह मेला चला। इस रोजगार मेले में आर.सी.ए. महाविद्यालय एवं खजानी महिला संस्थान की छात्राओं के अतिरिक्त स्वतन्त्र रूप से पंजीकृत अनुभवी एवं नवीन युवतियों को भी रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला। अतः इस रोजगार मेले में कुल पंजीकृत छात्राओं एवं युवतियों में से कुल 232 अभ्यर्थियों को

विभिन्न कम्पनी, शिक्षण संस्थाओं तथा अन्य क्षेत्रों में रोजगार पाने में सफलता मिली। इनमें से कुछ अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण के साक्षात्कार हेतु आमन्त्रित भी किया गया। इस प्रकार यह रोजगार मेला एक अत्यन्त सफल आयोजन रहा।

अंग्रेजी विभाग में सात दिवसीय कार्यशाला

महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा सात दिवसीय कार्यशाला 'Phonetics and Spoken English' 20 जनवरी से 27 जनवरी 2020 तक आयोजित की गयी जिससे छात्राओं की LSRW (Listening, Speaking, Reading and Writing) योग्यता बेहतर हो सके। छात्राओं को शब्दों के सही प्रकार से उच्चारण की ट्रेनिंग हेतु विभिन्न प्रकार की वीडियो भी दिखाई गयी। बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा एम.ए. की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर कार्यशाला में भाग लिया, जिससे सिखाये गए नियमों एवं शैली का उपयोग वह ठीक प्रकार से कर सकें। छात्राओं ने इस कार्यशाला से क्या सीखा, इसके लिए काव्यपाठ, वर्तनी प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. अर्चना पाल एवं शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्षा डॉ. कल्पना वाजपेयी उपस्थित रहीं। जिसमें काव्यपाठ प्रतियोगिता में मोहिनी शर्मा बी.ए. द्वितीय से प्रथम, बबिता सैनी बी.ए. द्वितीय से द्वितीय तथा शोभा वर्मा बी.ए. द्वितीय से तृतीय स्थान पर रहीं। वर्तनी प्रतियोगिता में मोहिनी शर्मा एवं शोभा वर्मा प्रथम, खुशबू सिंह द्वितीय एवं बबिता सैनी तृतीय स्थान पर रहीं। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में मोहिनी शर्मा एवं शोभा वर्मा प्रथम तथा निक्की द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यशाला के पूर्ण होने के उपरान्त सभी छात्राओं को प्रमाण–पत्र प्रदान किये गए। कार्यशाला का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी के द्वारा किया गया तथा कार्यशाला से संबंधित विषयों पर चर्चा अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डॉ. अंजूबाला अग्रवाल द्वारा की गयी। साथ में अंग्रेजी विभाग से डॉ. सोमा दास, डॉ. सुनीता अवस्थी एवं नीतू राजपूत उपस्थित रहीं।

वार्षिक खेलकूद सप्ताह

महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद सप्ताह 22 जनवरी 2020 से लेकर 24 जनवरी 2020 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता डा. अंजूबाला अग्रवाल जी के सानिध्य में झण्डा लहराकर किया गया। कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से 03:00 बजे तक का रहा। छात्राओं ने इस प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह एवं जोश से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 100 मी. दौड़, शॉटपुट, जेवलिन थ्रो, चेस, डिस्कस थ्रो, स्केण्डिंग जम्प, स्कीपिंग रेस, कराटे, टेबिल टेनिस, योग एवं बैडमिण्टन आदि को सम्मिलित किया गया।

प्रथम दिन इन प्रतियोगिताओं में 100 मी. दौड़, डिस्कस थ्रो एवं शॉटपुट को सम्मिलित किया। जिसमें 100 मी. दौड़ में अंजू माहौर ने प्रथम, प्रियंका गौतम ने द्वितीय तथा मीनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में कल्पना कुमारी ने प्रथम, लक्ष्मी सारस्वत ने द्वितीय एवं बबली ने तृतीय व शॉटपुट में प्रियंका गौतम ने प्रथम, कल्पना कुमारी ने द्वितीय एवं शालिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय दिवस की प्रतियोगिताओं के क्रम में भाला फेंक प्रतियोगिता में प्रियंका गौतम ने प्रथम, नन्दिनी ने द्वितीय एवं शीतल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद में तनू अग्रवाल ने प्रथम, शिवानी रावत ने द्वितीय व लक्ष्मी सारस्वत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्सी कूद में तनू अग्रवाल ने प्रथम, रूचि शर्मा ने द्वितीय एवं मीनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेढ़क कूद में श्रुति ने प्रथम, ललित ने द्वितीय तथा चाँदनी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। योग में शीतल शर्मा ने प्रथम, गौरी ने द्वितीय एवं रूचि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कराटे प्रतियोगिता में 27–30 Weight Category में टीना अग्रवाल ने प्रथम, 31–34 Weight Category में मानसी ने प्रथम, 38–42 Weight Category में अंजू ने प्रथम एवं सीता ने द्वितीय, 42–46 Weight Category में मेघा ने प्रथम व पूजा ने द्वितीय, 47–50 Weight Category में कल्पना ने प्रथम, 52–46 Weight Category में स्नेहा गौड़ ने प्रथम तथा 56–60 Weight Category में अंशिता शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं के तृतीय दिवस 25 जनवरी को बैडमिण्टन सिंगल्स एवं डबल्स, टेबिल टेनिस और कराटे का आयोजन हुआ। बैडमिण्टन (सिंगल्स) में काजल ने प्रथम, स्नेहा द्वितीय एवं मीनाक्षी दीक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिण्टन (डबल्स) में स्नेहा और काजल प्रथम, मीनाक्षी और अर्चना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कराटे प्रतियोगिता में 50–52 Weight Category में स्नेहा शर्मा प्रथम एवं मीनाक्षी दीक्षित द्वितीय स्थान तथा 40–44 Weight Category में दरक्शा प्रथम रहीं। टेबिल टेनिस में मानसी शर्मा ने प्रथम, शैली शर्मा ने द्वितीय एवं राखी उपाध्याय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। योग में शीतल ने प्रथम, गौरी ने द्वितीय एवं दरक्शा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ चेस प्रतियोगिता में स्नेहा शर्मा ने प्रथम, नन्दिनी ने द्वितीय एवं चंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को नाम गौरवान्वित किया।

छात्राओं ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया।यह प्रतियोगिताएं शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के कुशल संयोजन में सम्पन्न हुई। छात्राओं के

उत्साहवर्धन के लिए महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं भी सभी प्रतियोगिताओं में उपस्थित रहीं।

मतदाता प्रेरणादायक गीत प्रतियोगिता

महाविद्यालय में 'मजबूत लोकतन्त्र के लिए मतदाता साक्षरता' विषय पर एक मतदाता प्रेरणादायक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय एवं महाविद्यालयों की टीमों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर श्री ओ.पी. तिवारी, स्वीप कोर्डिनेटर डॉ. पल्लवी सिंह, ई.एल.सी. ट्रेनर मनीष दयाल, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका डॉ. नीतू गोस्वामी, राष्ट्रीय सेवायोजना अधिकारी डा. सीमा शर्मा द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारम्भ किया गया।

इस मतदाता गीत प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन आर्मी स्कूल के संगीत प्रवक्ता गजल सम्राट श्री गोपाल अग्रवाल जी एवं अन्तर्राष्ट्रीय लोकगीत गायिका डॉ. सीमा मोरवाल जी द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में मथुरा, वृन्दावन, मुखराई, शेरगढ़ आदि स्थानों से आयी टीमों ने सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर पर बेसिक विद्यालय मुखराई की टीम प्रथम स्थान पर रही। इण्टर कॉलेज स्तर पर के.वी. इण्टर कॉलेज शेरगढ़ की टीम प्रथम, नगर निगम बालिका इण्टर कॉलेज वृन्दावन की टीम द्वितीय, जैन चौरासी एवं इस्लामिया इण्टर कॉलेज की टीमें तृतीय स्थान पर रहीं। महाविद्यालय स्तर पर किशोरी रमण कन्या महाविद्यालय प्रथम, आर.सी.ए महाविद्यालय द्वितीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ई.एल.सी. प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री ओ.पी. तिवारी जी ने मतदान संबंधी जानकारी छात्राओं को प्रदान की। प्राचार्या जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मतदाता जागरूकता सफलता तब है जब छात्राएं और प्रशासनिक टीम ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करें और लालच मुक्त होकर मतदान करने की प्रेरणा दें। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका राष्ट्रीय सेवायोजना अधिकारी डॉ. नीतू गोस्वामी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवायोजना अधिकारी डॉ़. सीमा शर्मा ने किया।

मतदाता दिवस पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय की छात्राओं को किशोरी रमण पी.जी. कालेज में हुए मतदाता दिवस के अवसर पर हुए पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। 'मजबूत लोकतन्त्र के लिए मतदाता साक्षरता कार्यक्रम' के अन्तर्गत सम्पन्न हुई प्रतियोगिताओं में आर.सी.ए. महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया, जिसमें स्लोगन प्रतियोगिता में कु. अंजलि जिले में द्वितीय स्थान पर रहीं। वाद–विवाद प्रतियोगिता में आर.सी.ए. महाविद्यालय की टीम प्रथम स्थान पर रही, जिसमें गुंजन और खुशबू आचार्य को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रेरणात्मक गीत प्रतियोगिता में आर. सी.ए. महाविद्यालय की टीम द्वितीय स्थान पर विजयी रही, जिसमें वैशाली, राधिका, मयूरी माथुर, कामिनी शर्मा, श्रद्धा, आरती माहौर, प्रीति को पुरस्कृत किया गया। इन प्रतियोगिताओं के साथ–साथ नोडल प्रभारी डॉ. नीतू गोस्वामी एवं नोडल प्रभारी डॉ. सीमा शर्मा को डी.एम. सर्वज्ञ राम मिश्रा जी द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी जी ने सभी छात्राओं और नोडल अधिकारियों को बधाई देकर उनके बेहतर भविष्य की कामना की।

गणतन्त्र दिवस

महाविद्यालय में 71वां गणतन्त्र दिवस विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष श्री बाँके बिहारी माहेश्वरी रहे। मुख्य अतिथि ने झण्डारोहण कर कार्यक्रम प्रारम्भ कराया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने नवांकुर भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर छात्राओं ने अत्यन्त मनमोहक तथा देशभक्ति से ओत–प्रोत प्रस्तुतियाँ दीं। संगीत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने वन्देमातरम्, झण्डागान, देशभक्ति गीत तथा एकल नृत्य व सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए। शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के निर्देशन में महाविद्यालय की छात्राओं ने योगासनों तथा मार्शल आर्ट की विभिन्न प्रस्तुतियाँ दीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बाँके बिहारी माहेश्वरी ने कहा कि हमें यह आत्मचिंतन करना चाहिए कि हम क्या थे और क्या हो गये हैं। हमें अपने इतिहास में रही त्रुटियों को दूर करना चाहिए, उन्होंने कहा कि आज हमारी बेटियाँ भार नहीं हैं। आज लड़के और लड़कियों में कोई अन्तर नहीं है। आज इस अवसर पर हमें यह अनुभव करना चाहिए कि हम भारत देश के नागरिक हैं तथा हम सभी को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि आज हम जिस स्वतन्त्र भारत में साँस ले रहे हैं इसके लिए

अनेकों वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। हमें अपने इस देश के गणतान्त्रिक मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने चाहिए ताकि कोई भी ऐसी ताकतें जो हमारे देश के लिए खतरा पैदा करने वाली हैं वो देश को तोड़ न सकें, उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि किसी भी ऐसी परिस्थिति में छात्राएं अपने विवेक से निर्णय लें तथा देश की अखण्डता को अक्षुण्ण बनाने में अपनी भागीदारी दें। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि डॉ. रमाशंकर पाण्डेय ने वीर रस तथा राष्ट्रप्रेम से युक्त काव्यपाठ कर दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष रमेश मित्तल जी ने अपने उद्बोधन में सभी को गणतन्त्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को अपने देश को एकजुट रखने के प्रयास करने चाहिए ताकि हमारे वीर सपूतों का बलिदान व्यर्थ ने जाये, उन्होंने प्रबन्ध समिति की ओर से धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य श्री विजय प्रकाश अग्रवाल, उपसचिव श्री रवि मित्तल, उपाध्यक्ष श्री रामबाबू अग्रवाल, श्री कौशल किशोर, श्री प्रमोद गर्ग कसेरे, श्री राजेन्द्र सर्राफ, श्री समीर सर्राफ एवं महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाविद्यालय में ''उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता प्राप्त करने में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट की भूमिका'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 30–31 जनवरी को किया गया। पहले दिन संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. सत्यशील, प्रोफेसर एमेरिटस मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, अध्यक्ष डा. के.के. कनौडिया, सदस्य, उ.प्र. उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश मित्तल, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, के.आर. कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. शोभा पाठक, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार, डॉ. यशपाल बघेल, प्राचार्य ब्रज बिहारी महाविद्यालय कोसीकलां, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, संगोष्ठी संयोजिका डॉ. कल्पना वाजपेयी, सह संयोजिका डॉ. संध्या श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी को प्रारम्भ कराया।

संगोष्ठी में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने देश की उच्च शिक्षा की दशा एवं दिशा पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी से निश्चित रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने में नयी दिशा मिलेगी। मुख्य अतिथि प्रो. सत्यशील ने कहा कि छात्र, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से संस्थानों की गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। प्रो. सत्यशील ने कहा कि सतत् प्रयासों के द्वारा संस्थानों की गुणवत्ता को सुधारना चाहिए, मात्र डिग्रियाँ बटोरना हमारा उद्देश्य नहीं होना चाहिए।

संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. के. के. कनौडिया ने कहा कि हमारे सामने जो शिक्षा का रोल मॉडल पश्चिम से आया है हम उसी का अनुसरण कर रहे हैं, जबकि उसमें सुधार की आवश्यकता है। हमें अपने छात्रों की मेधा और मनीषा को जाग्रत करने का प्रयास करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार ने कहा कि सभी महाविद्यालयों को 2024 तक नैक मूल्यांकन कराना होगा। उन्होंने नैक मूल्यांकन कराने के लिए प्रारम्भिक प्रक्रिया से लेकर मूल्यांकन पूर्ण होने तक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. शोभा पाठक ने कहा कि हमारे महाविद्यालयों के पास संसाधनों की कमी है, उन्होंने कहा कि हमारे महाविद्यालयों को नैक कराने में व्यवहारिक कठिनाई आती है, परन्तु फिर भी अपने सीमित संसाधनों से हमें अधिक से अधिक आउट पुट देने का प्रयास करना चाहिए।

संगोष्ठी मे दूरसंवाद प्रणाली (टेली कॉन्फ्रेंसिंग) के द्वारा प्रो. ए. बालासुब्रह्मण्यम, निदेशक EMMRC मैसूर विश्वविद्यालय का व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रो. ए. बालासुब्रह्मण्यम ने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा में सुधार आज की मूलभूत आवश्यकता है। हमारा पाठ्यक्रम, शिक्षण, कौशल विकास तथा हमारी क्षमता हमारी शिक्षा को गुणवत्ता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मापदण्डों पर हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को परखना चाहिए। नैक प्रक्रिया के द्वारा किसी भी संस्थान की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है तथा मुख्यतः सात बिन्दु हैं।

संगोष्ठी के समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक जौहरी ने नैक से जुड़े व्यावहारिक पक्ष को रखते हुए कहा कि संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संगोष्ठी में डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. अनिल सक्सैना, डॉ. वीरांगना सिंह, डॉ. शिखा मालवीय, डॉ. एस.के. सक्सैना, डॉ. रचना श्रीवास्तव, जयलक्ष्मी शर्मा, डॉ. तृप्ता शर्मा आदि ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

आर.सी.ए. महाविद्यालय में पुरातन छात्रा परिषद समिति का गठन

महाविद्यालय में पुरातन छात्रा परिषद समिति 2020 का विधिवत गठन किया गया। जिसमें चुनाव चयन प्रणाली अपनाते हुए विभिन्न पदों पर पुरातन छात्रा में से सदस्य मनोनीत किए गए। इस चुनाव प्रक्रिया में महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें अध्यक्ष,

उपाध्यक्ष सहित पाँच सदस्यों की कार्यकारिणी गठित की गयी। इस चुनाव प्रक्रिया में एडवोकेट श्री कृष्ण गोपाल देवाचार्य जी चुनाव अधिकारी थे।

पुरातन छात्रा परिषद में अध्यक्ष पद पर पुरातन छात्रा परिषद की सदस्या डा. नीतू गोस्वामी, उपाध्यक्ष सुश्री नीतू राजपूत, मंत्री श्रीमती शीला मिश्रा, कोषाध्यक्ष श्रीमती पूजा पालीवाल, उपमन्त्री श्रीमती प्रीति राहुल को चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती रेनू चौधरी, कु. प्रिया पाराशर, श्रीमती अनुराधा रूहेला, चारू शर्मा, श्रीमती मीनू अग्रवाल आदि को कार्यकारिणी समिति में रखा गया। इस चुनाव में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी जी, वरिष्ठ पुरातन छात्रा एवं प्राध्यापिका डॉ. अन्जुबाला अग्रवाल तथा डॉ. कल्पना वाजपेयी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। डॉ. नम्रता मिश्रा ने सभी से वोट डलवाने की प्रक्रिया सम्पन्न करायी। इस सन्दर्भ में प्राचार्या जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कार्यक्रम का उद्‌देश्य महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं को महाविद्यालय से जोड़े रखना एवं महाविद्यालय के विकास में उनकी भी सहभागिता तय करना है।

रेंजर्स का प्रवेश शिविर

महाविद्यालय में 6 फरवरी से 8 फरवरी तक रेंजर्स का प्रवेश शिविर लगाया गया। शिविर के प्रथम दिन छात्राओं को स्काउट गाइडिंग की विस्तृत जानकारी देने के साथ झण्डा गीत, प्रतिज्ञा एवं प्रार्थना आदि से अवगत कराया गया एवं उनका प्रयोगिक अभ्यास भी कराया गया। शिविर के दूसरे दिन छात्राओं को फॉरमेशन बनाना बताया गया तथा छात्राओं को विभिन्न प्रकार के तम्बू बनाना भी सिखाया गया। शिविर में तीसरे दिन छात्राओं को विभिन्न प्रकार की गाँठे लगाना सिखाया गया एवं उनका अभ्यास कराया गया। छात्राओं को कौन सी गाँठ किस अवसर पर प्रयुक्त की जाती है, इसके विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। यह शिविर रेंजर लीडर डॉ. नीतू गोस्वामी के निर्देशन में लगाया गया। शिविर में रेंजर प्रभारी डॉ. सुनीता अवस्थी ने शिविर का संचालन किया।

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 25 फरवरी 2020 को वाणिज्य संकाय की समस्त छात्राओं के लिए महाविद्यालय में एक अतिथि व्याख्यान कराया गया। इस हेतु के. आर. (पी.जी.) महाविद्यालय, मथुरा के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. अनिल सक्सैना जी महाविद्यालय में पधारे। डॉ. अनिल सक्सैना जी ने ''प्रभाव पूर्ण तरीके से परीक्षा की तैयारी'' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. अनिल सक्सैना ने परीक्षा की तैयारी कैसे करें, हम पढ़ाई क्यों करते हैं, कैसे करें, याद कैसे रखें, परीक्षा हेतु समय प्रबन्धन कैसे करें, उत्तर पुस्तिका में प्रभाव पूर्ण तरीके से कैसे उत्तर लिखें आदि प्रश्नों को बहुत ही सहज तरीके से बताया। डॉ. अनिल सक्सैना जी ने छात्राओं को परीक्षा के बाद क्या करना है, आगे की क्या तैयारी करनी है, के बारे में भी बताया। छात्राओं ने अपनी समस्त शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में बी.कॉम. प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं एम.कॉम. की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, डॉ. धर्मेन्द्र वर्मा, डॉ. सुषमा जैन, कु. रिंकी गौतम उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सीमा शर्मा ने किया।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक 28.02.2020 को वार्षिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री प्रदीप माथुर, प्रबन्ध समिति के सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री रामबाबू अग्रवाल, श्री ओ.पी. अग्रवाल, श्री राजेन्द्र सर्राफ, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। मुख्य अतिथि श्री प्रदीप माथुर ने कहा कि बालिकाओं को विशेष रूप से शिक्षा प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए, जिससे वे अपने जीवन–पथ पर आने वाली बाधाओं को दूर कर सकती हैं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संगीत विभागाध्यक्षा डा. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में मानसी राजपूत द्वारा गणेश वन्दना प्रस्तुत की गयी। स्नेहा गौड़ एवं ग्रुप द्वारा राष्ट्रभक्ति समूहगान प्रस्तुत किया गया। गौरी दीक्षित द्वारा राजस्थानी गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। राधिका एवं ग्रुप ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। राधिका एवं मानसी राजपूत ने शिव स्तुति/ताडंव प्रस्तुत किया। स्नेहा गौड़ ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। शारीरिक शिक्षा की छात्राओं द्वारा आत्मरक्षा कौशल प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात् पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें पूरे साल भर में आयोजित प्रतियोगिताओं जैसे भाषण प्रतियोगिता, अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, साहित्यकार परिचय प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषा ज्ञान प्रतियोगिता, पद–गायन प्रतियोगिता, स्पैलिंग कम्पटीशन, रंगोली प्रतियोगिता आदि में विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इन सभी प्रतियोगिता में निम्न छात्राएं विजयी रहीं– शिल्पा चक्रवर्ती, मोहिनी शर्मा, खुशबू आचार्य, नेहा द्विवेदी, गुंजन गौतम, काजल अग्रवाल, राजकुमारी सिंह, कीर्ति, मानसी शर्मा, बबिता सैनी, शोभा वर्मा, अंजलि, गुंजन गोस्वामी, उपमा मिश्रा, वंदना पटेल, मोहिनी शर्मा, प्रज्ञा परमिता, भूमिका वार्ष्णेय, अंजलि, प्रियांशी, महक, नेहा, देवांशी

गौड़, श्रद्धा, पिंकी शर्मा, कल्पना, नीरू, अंजलि, बबिता सैनी, कृष्णा पटेल, मोनिका गौतम, कल्पना बोष, कीर्ति सिंह, स्नेहा गौड़, खुशबू सिंह, निक्की, शिवांगी वर्मा, रोशनी बघेल, कृष्णा पटेल, लीशा शर्मा को। छः श्रेणियों– खेलकूद में काजल वर्मा को, वाणिज्य में जागृति भारद्वाज को, ललित कला में गुंजन गौतम को, मानविकी में गौरी दीक्षित को, सामाजिक विज्ञान में खुशबू आचार्य को, विज्ञान में भाग्यवती को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार खुशबू आचार्य को दिया, जिसमें ट्राफी के साथ 11000/– रूपये की नगद राशि प्रदान की गयी।

पुरस्कारों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का पुरस्कार डॉ. संध्या श्रीवास्तव को प्रदान किया गया। इसके साथ 15000/– रू0 नगद राशि पुरस्कार के तौर पर प्रदान की गयी। द्वितीय स्थान पर डॉ. ऋचा शर्मा रही। सर्वश्रेष्ठ तृतीय श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्रीमती पूजा पालीवाल को प्रदान किया गया जिसमें उन्हें 7100/– रू0 नगद पुरस्कार भी दिया गया। द्वितीय स्थान पर श्री पवन सिकरवार रहे। सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्रीमती अंजू शर्मा को प्रदान किया गया जिसमें उन्हें 5100/– प्रदान किए गए। द्वितीय स्थान पर श्री प्रदीप कुमार रहे।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का पुरस्कार श्री किशन चन्द सर्राफ की स्मृति में श्री समीर सर्राफ द्वारा, सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार स्व श्री हितशरण सर्राफ जी की स्मृति में श्री प्रदीप सर्राफ द्वारा तथा सर्वश्रेष्ठ तृतीय श्रेणी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्री समीर सर्राफ जी द्वारा प्रायोजित किए गए।

समयबद्धता एवं अतिरिक्त कार्य सम्पादन करने के लिए डॉ. कल्पना वाजपेयी को 2100/– रू0 का पुरस्कार दिया गया। प्रकाशन एवं संगोष्ठियों में प्रतिभागिता के लिए डॉ. अर्चना पाल, डॉ. सीमा शर्मा, डा. नीतू गोस्वामी की सराहना की गयी। छात्राओं के सर्वाधिक वोट प्राप्त किए डा. संध्या श्रीवास्तव ने। छात्राओं के वोट प्राप्त करने में द्वितीय स्थान पर डॉ. ऋचा शर्मा रहीं। शिक्षिकाओं में सर्वाधिक उपस्थिति सुश्री पूजा राय, डॉ. सुनीता अवस्थी तथा श्रीमती मधुमिता की रही।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री नीतू राजपूत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी जी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी पर वेबिनार

13 मई 2020 को अभूतपूर्व वैश्विक मानवीय त्रासदी कोविड–19 के प्रभाव के आकलन के लिए महाविद्यालय द्वारा एक वेबिनार आयोजित किया गया। विषय था ''महामारी के बाद का भारत : अवसर व चुनौतियाँ''। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केरल के ''राज्यपाल महामहिम श्री आरिफ मोहम्मद खान'' तथा अध्यक्ष डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति प्रो. अशोक मित्तल थे।

कार्यक्रम का प्रारम्भ संगीत विभागाध्यक्षा डॉ. नम्रता मिश्रा के द्वारा माँ सरस्वती को समर्पित स्तुति के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने किया। इस प्रकार के ऑनलाइन सेमीनार का आयोजन मथुरा के महाविद्यालयों में सर्वप्रथम आर.सी.ए. महाविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि इस आपातकाल में हमें इस बीमारी से जूझने के लिए मानवीय सहयोग और समरसता को बढ़ाना चाहिए और एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने आज हमें यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए तथा शिक्षा–दर को बढ़ाना चाहिए। राज्यपाल ने प्रवासी मजदूरों, आर्थिक विकास आदि से सम्बन्धित प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

कुलपति प्रो. अशोक मित्तल ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस दौरान अर्थ व्यवस्था का पहिया रूक सा गया है। कृषि में भी सप्लाई चेन में कमी की वजह से किसान परेशान हैं तथा इस त्रासदी से पर्यटन, होटल, मनोरंजन आदि सैक्टर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं, लेकिन फिर भी आशा व्यक्त की कि हम जल्द ही इन सब चुनौतियों से उभरेंगे।

विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. (डॉ.) कमला पाठक, कालेज आफ फार्मेसी, सैफई, उ.प्र. ने कोविड–19 से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा इससे बचाव के उपायों को विस्तार से बताया।

वेबिनार में डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार, एसो. प्रो. किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने पावर पॉइन्ट प्रस्तुतिकरण में वर्तमान परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षा तथा दूरस्थ शिक्षा पद्धति की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस समय, जबकि महामारी के कारण स्कूल–कॉलेज बंद हैं, ऑनलाइन शिक्षा एक बेहतर विकल्प के रूप में प्रयोग की जा रही है। उन्होंने भारत में शिक्षा को ऑनलाइन करने के लाभ तथा इससे आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों पर भी विस्तार से चर्चा की।

सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों के प्रश्नों के विस्तार से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। संगोष्ठी में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि आज इस वैश्विक महामारी से उत्पन्न चुनौतियों और खतरे से निपटने के लिए हम सभी को अपने–अपने स्तर पर प्रयास

करने चाहिए तथा लोगों को इससे बचने लिए जागरूक बनाना चाहिए। इस वेबिनार को आयोजित करने में खजानी वेलफेयर सोसाइटी के निदेशक श्री शोभित माहेश्वरी का विशेष सहयोग रहा। संगोष्ठी में लगभग 230 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन जुड़कर प्रतिभागिता की। महाविद्यालय की संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. अर्चना पाल ने संगोष्ठी के समापन के अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन किया। तकनीकी सहयोग श्री पवन सिकरवार एवं श्री आशीष शर्मा ने दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

महाविद्यालय में ''मानसिक एवं भावनात्मक रूप से कोविड–19 के समय में कैसे स्वस्थ रहें'' इस विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का 14 जून आयोजन किया गया। जिसका प्रारम्भ डॉ. नम्रता मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मथुरा–वृन्दावन लोकसभा क्षेत्र की सांसद ''श्रीमती हेमा मालिनी'' ने इस अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार एवं मास्क बैंक का इन्टरनेट के माध्यम से उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि उन्हें अत्यन्त प्रसन्नता है कि इस त्रासदी के समय में इस प्रकार के वेबीनार का अयोजन किया जा रहा है तथा मास्क बैंक को प्रारम्भ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय है कि छात्राओं ने अपने समय का सदुपयोग कर इन मास्क को बनाया है। सांसद ने कहा कि ये अत्यन्त विकट परिस्थिति है, परन्तु हमें इसका सामना करना है और अपने को सुरक्षित रखना है। इस बीमारी से बचने के लिए मास्क अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राएं अपने अन्दर आत्मविश्वास पैदा करें तभी वे सुरक्षित रह सकती हैं तथा हमें इस बीमारी का डटकर सामना करना है तथा इसके साथ जीना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि मानसिक अवसाद से बचने के लिए हमें योग, प्राणायाम आदि करने चाहिए।

अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार में, मुख्य वक्ता अमेरिकन कम्पनी ''रिफाइन एम.'' के सी.ई.ओ., एवं प्रेरक वक्ता श्री एन. के. श्रीवास्तव रहे। उन्होंने बताया कि हम किस प्रकार से अपने को मानसिक एवं भावनात्मक रूप से मजबूत रखें। इसके लिए उन्होंने पाँच बिन्दुओं की योजना बतायी और कहा कि अपनी कार्ययोजना बनाकर हम इस वैश्विक त्रासदी के समय में स्वयं को मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं। पूरे विश्व के समाचार सुनकर हम भावनात्मक रूप से व्याकुल हो रहे हैं तथा लॉकडाउन के समय में घर में बोर महसूस करते हैं। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि हम जो अपने आसपास सुनते और देखते हैं उसी के आधार पर हमारा व्यवहार होता है। हम योग, प्राणायाम, ध्यान के द्वारा आत्म जागरूकता पैदा कर सकते हैं तथा इससे हमें मानसिक शक्ति प्राप्त होती है। चिंता एवं तनाव कम रखने के लिए हमें 30 मिनट से अधिक समाचार नहीं सुनने चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि इस संकटकाल मे हम शारीरिक सावधानी तो रख रहे हैं परन्तु मानसिक अवसाद एवं भावनात्मक रूप से अपने को स्वस्थ रखना भी आज अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा शुरू किए गए मास्क बैंक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति, प्राध्यापिकाओं, छात्राओं और स्वयं उनके द्वारा यह मास्क बैंक बनाया गया है जो निःशुल्क मास्क वितरित करेगा। खजानी वेलफेयर सोसायटी के विशेष सहयोग से छात्राओं ने ये मास्क बनाए हैं, जो कि कोविड से लड़ने में आवश्यक प्रभावी शस्त्र है।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की प्रोजेक्ट ऑफीसर डॉ. नीतू गोस्वामी एवं डॉ. सीमा शर्मा ने इस कोविड के समय में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा ऑनलाइन करायी गयी पोस्टर, स्लोगन, लेख प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी तथा उन्होंने बताया कि छात्राओं ने योग प्रशिक्षण, पौधारोपण कराया तथा आयुष कवच जैसी प्रासंगिक एवं महत्वपूर्ण जानकारी लोगों को उपलब्ध करायी गयी तथा निःशुल्क मास्क वितरित किए गए।

वेबीनार के मुख्य वक्ता श्री एन.के. श्रीवास्तव द्वारा एक ऑनलाइन क्विज करायी गयी जिसमें प्रथम स्थान आस्था द्वितीय स्थान डॉ. गौरव एवं तृतीय स्थान निधि भारद्वाज ने प्राप्त किया। इन सभी विजेताओं को ऑनलाइन पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने सांसद हेमा मालिनी, मुख्य वक्ता श्री एन. के. श्रीवास्तव, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के प्रो. (डॉ.) वी. के. सारस्वत, श्री नमन गर्ग, खजानी वेलफेयर सोसायटी की निदेशक श्रीमती शिप्रा राठी तथा महाविद्यालय कार्यालय के श्री पवन सिकरवार एवं छात्राओं को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

''छात्रों के लिए जीवन शैली और योग'' विषय पर वेबिनार

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दि. 21.6.20 को महाविद्यालय में ''जीवन शैली और योग'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ डा. नम्रता मिश्रा द्वारा प्रस्तुत शंकाराचार्य के ''निर्वाण षट्कम'' से हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने सभी

वक्ताओं और अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छात्र–छात्राओं के अन्दर अनन्त सामर्थ्य होती है तथा इस प्रकार के वेबिनार से प्रेरणा लेकर वे अपने शरीर एवं मन को स्वस्थ रख सकते हैं तथा इस देश को समृद्ध एवं सुदृढ़ बना सकते हैं।

वेबिनार में पतंजलि योगपीठ से आमन्त्रित साध्वी देवादिति ने कहा कि योग मात्र हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं अपितु हमारे मानसिक, वैचारिक, आध्यात्मिक सभी प्रकार के विकास के लिए आवश्यक है। साध्वी देवादिति ने कहा कि हमें स्वस्थ, समृद्ध और संस्कारवान भारत का निर्माण करना है और इसके लिए योग अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनेक बार हम परिस्थितियों से हार मान जाते हैं परन्तु हमें धैर्यपूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना चाहिए। साध्वी देवादिति ने यह भी कहा कि योग हमें वह सामर्थ्य प्रदान करता है कि हम जाति, मत, पंथ तथा सम्प्रदाय आदि सबसे ऊपर आकर योग करते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक रूप से भी यह सिद्ध हो चुका है कि योग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है।

वेबिनार के दूसरे वक्ता के रूप में योग एवं जीवन शैली परामर्शदाता डा. जगदीश जोशी ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि हम जानें कि हमारा आहार कैसा हो उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें पर्याप्त मात्रा में मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए तथा व्यायाम खानपान और ध्यान से हम अपने जीवन को स्वस्थ रख सकते हैं। यदि हम सकारात्मक जीवन जीते हैं, सकरात्मक कार्य करते हैं तो हमारी शारीरिक शक्ति के साथ ही साथ मानसिक शक्ति भी सुदृढ़ होती है।

योग एवं जीवन शैली के विषय में छात्र–छात्राओं को प्रेरणा देने के उद्देश्य से आयोजित इस वेबिनार में प्रेरक वक्ता एवं सी.ई.ओ. रिफाइन एम, अमेरिका से श्री एन.के. श्रीवास्तव ने ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया जिसमें योग, प्राणायाम एवं अच्छी जीवनचर्या से संबंधित प्रश्न पूछे गए। छात्राओं ने बड़ी संख्या में इस क्विज में उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री एन.के. श्रीवास्तव ने कहा कि इस क्विज़ का उद्देश्य है कि हमारी युवा पीढ़ी अपने शरीर, मन और बुद्धि सभी से स्वस्थ हो क्योंकि योग वह सामर्थ्य पैदा करता है कि हम अपने संकल्प के द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने सभी का धन्यवाद किया तथा छात्राओं का आह्वान किया कि अपनी असीम सामर्थ्य को पहचान कर उसका सदुपयोग करें और योग, प्राणायाम और ध्यान निश्चित रूप से उनकी इस सामर्थ्य को बढ़ाने में सहायक होंगे जिससे वे अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगी। इस वेबिनार में प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश मित्तल, वरिष्ठ सदस्य श्री विजय प्रकाश, डॉ. कल्पना वाजपेयी, डॉ. अंजूबाला अग्रवाल, डॉ. अशोक जौहरी, डॉ. संध्या श्रीवास्तव, डॉ. सीमा शर्मा सहित महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं अन्य कॉलेजों के शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

ऑनलाइन क्विज़ में प्रथम स्थान कु. आस्था ने प्राप्त किया तथा द्वितीय, तृतीय स्थान पर क्रमशः शैफाली एवं विधि रहीं। वेबिनार के आयोजन में श्री पवन सिकरवार का विशेष सहयोग रहा।

मास्क वितरण

आर.सी.ए. गर्ल्स कालेज, मथुरा के द्वारा दिनांक 03–07–2020 को जनपद में मास्क वितरण किया गया। यह मास्क वितरण नगर निगम कार्यालय में महापौर श्री मुकेश आर्यबन्धु की उपस्थिति में हुआ, जिसमें निगम के सफाई कर्मचारियों को 800 मास्क बाँटे गए। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सीमा शर्मा, हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. पूजा राय, मनोविज्ञान विभाग से श्रीमती पूजा पालीवाल उपस्थित रहीं। शहर के कृष्णापुरी, होलीगेट, कोतवाली रोड, भरतपुर गेट आदि क्षेत्रों में फल, सब्जी विक्रेताओं, ई–रिक्शा चालकों, गरीब श्रमिकों आदि को महाविद्यालय की ओर से लगभग 200 मास्क वितरित किए गए। इस वितरण का उद्देश्य निम्न वर्गों के लोगों में मास्क लगाने के लिए जागरूकता पैदा करना है। इस वितरण के साथ–साथ इन सभी शिक्षिकाओं ने निम्न वर्ग के लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक भी किया तथा उन्हें अपने कार्य के समय मास्क लगाए रहने की सलाह भी दी।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में 14 सितम्बर 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में 7 सितम्बर 2020 से 14 सितम्बर 2020 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। कोविड 19 महामारी के कारण छात्राओं के लिये विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन गूगल मीट एवं व्हाट्सएप के द्वारा किया गया। सप्ताह के प्रथम दिन 7 सितम्बर को ''राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा'' विषयक काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान दीप्ति, द्वितीय स्थान पिंकी शर्मा तथा तृतीय स्थान काजल दीक्षित को प्राप्त हुआ। द्वितीय दिन ''हिन्दी भाषा या हिन्दी के साहित्यकार'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं की प्रविष्टि के आधार पर प्रथम स्थान पर नेहा, द्वितीय स्थान पर शिवानी

शर्मा व तृतीय स्थान पर दीप्ति सिंह रहीं। तृतीय दिवस ''हिन्दी के साहित्यकार'' विषय पर साहित्यकार परिचर्चा आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में क्रमशः नेहा, ज्योति यादव व दीप्ति सिंह ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। चतुर्थ दिवस छात्राओं ने ''हिन्दी भाषा पर सोशल मीडिया का प्रभाव'' विषय पर निबंध लिखे जिसमें मोहिनी शर्मा प्रथम, दीप्ति सिंह को द्वितीय व नेहा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सप्ताह के पाँचवे दिन ''हिन्दी भाषा पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न'' विषयक प्रश्नावली प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की गयी। उक्त प्रतियोगिता में शिवानी शर्मा प्रथम, आशा शर्मा द्वितीय व मोहिनी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। छठवें दिन आयोजित 'हिन्दी के समक्ष वैश्विक चुनौतियां तथा सम्भावनायें' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में काजल दीक्षित प्रथम, मोहिनी शर्मा ने द्वितीय व शिवानी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सप्ताह के अन्तिम दिन 14 सितम्बर को ''हिन्दी अन्तरानुशासनिकता और साहित्य का पाठ'' विषय पर इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भाषा विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता द्वारा व्याख्यान दिया गया जिसमें महाविद्यालय की शिक्षिकाओं के साथ–साथ काफी मात्रा में छात्राओं की भी सहभागिता रही। सप्ताह के सभी कार्यक्रमों का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. पूजा राय ने किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रवक्ता डा. नीतू गोस्वामी एवं सुश्री मेनिका गुप्ता का रहा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने इस अवसर पर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये उन्हें शुभकामनायें दीं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

17 सितम्बर को माननीय प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल जी के आदेशानुसार महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में एवं उसके आस–पास के क्षेत्र में बीस पीपल के वृक्षों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार सेवानिवृत एसोसिएट प्रोफेसर के.आर. कॉलेज, मथुरा एवं भूतपूर्व एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. नम्रता मिश्रा, श्रीमती मंजू दलाल के द्वारा भी पौधा रोपण किया गया। साथ ही डॉ. सोमा दास जी ने भी रूचि दिखाते हुए पौधारोपण किया।

उपस्थित छात्रा सीमा, प्रज्ञा, शिवानी, देवांशी गौर, राधिका श्रीवास्तव, नाजरीन, शिवांगी, शमिष्ठा, वैशाली, मानसी, नेहा चौधरी ने पौधारोपण किया। वर्तमान एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. सीमा शर्मा एवं डॉ. नीतू गोस्वामी के निर्देशन में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अपने उद्‌बोधन में डॉ. अशोक जौहरी जी ने कहा कि पीपल का वृक्ष प्रकृति के लिए वरदान है। हमें वृक्ष न केवल लगाने चाहिए बल्कि उनकी देख–रेख भी करनी चाहिए। यदि वह मुरझा गया या मर गया तो आपका वृक्षारोपण का उद्‌देश्य पूर्ण नहीं हो पाता। डा. सीमा शर्मा जी ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें प्रकृति को स्वस्थ रखना आवश्यक है। अतएव वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए। डॉ. नीतू गोस्वामी ने छात्राओं से अपील की कि वे जिन पौधों को लगाते हैं उनकी नियमित देखभाल करें। ये न केवल आपको प्रसन्नता देगा आप प्रकृति के संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर पायेंगें।

अभिभावक संघ की बैठक एवं छात्रा आरियन्टेशन कार्यक्रम

12.11.2020 को महाविद्यालय में छात्र अभिभावक संघ की एक बैठक एवं आरियन्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी द्वारा छात्राओं के अभिभावकों से परिचर्चा सत्र किया गया। प्राचार्या जी ने अभिभावकों को कोविड–19 के कारण बनाए गए नियमों को साझा किया। जिसमें उन्होंने बताया कि छात्राएं मास्क लगाकर ही महाविद्यालय आएं, उचित दूरी बनाए रखें, सेनेटाइजर साथ रखें, परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें, महाविद्यालय में महाविद्यालय गणवेश में आएं और थर्मल स्केनिंग में प्रतिदिन सहयोग करें। नियमों की उपेक्षा करने पर महाविद्यालय परिसर में प्रवेश वर्जित होगा।

इसके साथ ही प्राचार्या जी ने अभिभावकों की समस्याओं को जाना और सहयोग करने का पूर्ण आश्वासन दिया। इस बैठक में नये सत्र की छात्राओं के अभिभावकों ने विशिष्ट रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर प्राचार्या जी सहित समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहीं।

''नयी शिक्षा नीति की बारीकियाँ'' विषय पर वेबिनार

''नयी शिक्षा नीति की बारीकियाँ'' विषय पर एक वेबिनार का 19.11.2020 को महाविद्यालय में आयोजन किया गया। जिसमें नयी शिक्षा नीति की जो समस्याएं है, चुनौतियाँ हैं और उनका वर्तमान परिप्रेक्ष्य में क्या प्रभाव रहेगा आदि विषय पर वक्ताओं ने अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किये। वेबिनार का प्रारम्भ संगीत विभागाध्यक्षा डॉ. नम्रता मिश्रा द्वारा

मां सरस्वती की स्तुति गाकर किया गया तत्पश्चात् डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक मित्तल जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि नयी शिक्षा नीति पर बहुत वेबिनार हुए लेकिन जिस विषय को आर.सी.ए. महाविद्यालय द्वारा किया गया वह महत्वपूर्ण है। वेबिनार संरक्षक के रूप में वक्तव्य देते हुए उन्होंने वर्तमान समय में नयी शिक्षा नीति की उपयोगिता और प्रभाव को लेकर चर्चा की।

बीज वक्ता के रूप में प्रो. आर.एस. कुरील, कुलपति इन्स्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, उ.प्र. एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के गठित समिति सदस्यों में से एक तथा डॉ. मधु कुशवाह प्रो. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बनारस ने अपने मूल्यवान विचारों को वेबिनार में साझा कर सभी का ज्ञान वर्धन किया। अपने उद्‌बोधन में आर.एस. कुरील ने कहा कि नयी शिक्षा नीति के आठ सैद्धान्तिक बिन्दु हैं, जिसमें समानता, गुणवत्ता, शिक्षा की अधिकतम जन समूह तक पहुंच, वैश्विक परिवर्तनों के साथ सामन्जस्य, भारत जैसे विविधता युक्त देश में सभी समूहों तक शिक्षा की पहुँच कैसे हो इन पहलुओं को विशेष रूप से रखा गया है। वहीं अपने वक्तव्य के माध्यम से डॉ. मधु कुशवाह जो कि ब्राइट फैलोशिप मेरी लैण्ड यू.एस.ए. के रूप में भी योगदान दे रही हैं ने बताया कि कोई भी शिक्षा नीति 20–30 साल में समायानुसार परविर्तित हो जाती है। नयी शिक्षा नीति 2020 में बहुत सारे सकारात्मक पहलू हैं किन्तु सुधार की गुंजाइश हर जगह रहती है। नयी शिक्षा नीति में भी यही देखना होगा किन–किन तथ्यों को सहजता से लागू किया जा सकता है और किन–किन पहलूओं को पूर्ण करने के लिए धन की, अतिरिक्त स्कूल कॉलेजों को खोलने की, शिक्षकों को अपडेट करने की आवश्यकता होगी और उस आवश्यकता को कैसे पूरा किया जाएगा। वेबिनार में धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने किया और वेबिनार से उभर कर आए एक नये विषय 'महिला शिक्षा में नयी शिक्षा नीति का योगदान विषय' पर एक अलग वेबिनार को आयोजित करने का विचार भी रखा। इस वेबिनार की संयोजिका डॉ. भारती सागर ने वेबिनार का संचालन किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया।

Achievements

प्रत्येक वर्ष की भाँति सत्र 2019–20 में भी महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित मानविकी, विज्ञान, फाइन आर्ट्स, कॉमर्स, सोशल साइंसेज, खेल एवं उपस्थिति में सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया तथा 'स्टुडेंट ऑफ द ईयर' का पुरस्कार कु. खुशबू आचार्य को दिया गया।

Student of the year

Khushboo Acharya
Social science

Gauri Dixit
Literature

Jagriti Bhardwaj
Commerce

Bhagyawati
BSc

Sneha Gaur
Special performance in sports

Kajal Verma
Games

Gunjan Gautam
Fine Arts

From News Papers

कॉलेज की शिक्षिकाओं ने निशुल्क बांटे मास्क

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए गर्ल्स कॉलेज की ओर से शुक्रवार को मास्क वितरण अभियान चलाया गया। इसमें कॉलेज की शिक्षिकाओं ने ठेल संचालक, ई-रिक्शा चालक, श्रमिक आदि वर्ग के लोगों को मुफ्त मास्क दिए गए। वहीं उन्हे कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक किया गया। मास्क वितरण का शुभारंभ नगर निगम कार्यालय में महापौर मुकेश आर्यबन्धु की उपस्थिति में हुआ। नि के सफाईकर्मियों को 800 मास्क ब

शुक्रवार को शहर में श्रमिक वर्ग के लोगों को मास्क वितरित करतीं आरसीए गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या एवं शिक्षिकाएं। • हिन्दुस्तान

गए। शहर के कृष्णापुरी, होलीगेट कोतवाली रोड ...

छात्राएं अपराधों के प्रति आवाज उठाएं

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय में नवदिवसीय ह्यमिशन शक्तिह्व कार्यक्रम का समापन मर्शल आर्ट के प्रदर्शन से हुआ। छात्राओं को अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ छात्रा मयूरी माथुर की गणेश वंदना ... उपाध्याय ने रिदम जिमनास्टिक प्रस्तुत ... निर्देशित शपथ भी राष्ट्रीय ... द्वारा ग्रहण कराई ... कार्यक्रम की आख्या ... नीतू गोस्वामी ने प्रस्तुत ... अजय, थाना कोतवाली ... ट पुलिस चौकी प्रभारी ... गियां दीं। इस मौके पर

प्रभारी। ...

पुरातन छात्रा परिषद समिति का हुआ गठन

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय में पुरातन छात्रा परिषद समिति 2020 का विधिवत गठन किया गया। इसमें चुनाव चयन प्रणाली अपनाते हुए विभिन्न पदों पर पुरातन छात्राओं से सदस्य मनोनीत किए गए। इस चुनाव प्रक्रिया में महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। चयन प्रणाली को नियमानुसार कराने में एडवोकेट कृष्ण गोपाल देवाचार्य मौजूद रहे। पुरातन छात्रा परिषद में अध्यक्ष पद पर पुरातन छात्रा परिषद की सदस्य डा. नीतू गोस्वामी, उपाध्यक्ष नीतू राजपूत, मंत्री शीला मिश्रा, कोषाध्यक्ष पूजा पालीवाल, उपमन्त्री प्रीति राहुल को चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त रेनू चौधरी, प्रिया पाराशर, अनुराधा रूहेला, चारू शर्मा, मीनू अग्रवाल आदि को कार्यकारिणी समिति में रखा गया। इस चुनाव में महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, वरिष्ठ पुरातन छात्रा एवं प्राध्यापिका डॉ. अंजूबाला अग्रवाल आदि रहे। संवाद

आरसीए में हिन्दी सप्ताह शुरू

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए महिला महाविद्यालय में सोमवार से हिन्दी सप्ताह का शुभारम्भ ... गारी के दृष्टिगत ... गूगल मीट के ... किया गया।

ने प्रतिभाग किया। नेहा एमए प्रथम, दीप्ति एमए प्रथम, शिवानी शर्मा बीए ... द्वितीय, ... चंचल ... एमए ... बीए ... द्विती ...

ऑनलाइन काव्य पाठ प्रतियोगिता में दीप्ति अव्वल

संस, मथुरा : आरसीए बालिका महाविद्यालय में सोमवार को हिंदी सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इसमें गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई। एमए प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा, गीता व दीप्ति, बीए द्वितीय वर्ष की ... चल कुमारी, ... तेभाग किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. अंजुबाला अग्रवाल, डॉ. कल्पना वाजपेयी और डॉ. पूजा राय रहीं। काव्य पाठ प्रतियोगिता में एमए प्रथम वर्ष की दीप्ति ने प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की पिंकी ने द्वितीय व काजल दीक्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने बधाई दी।

निबंध प्रतियोगिता में लिया छात्राओं ने भाग

संवाद सहयोगी, मथुरा : आरसीए गर्ल्स पीजी कॉलेज में हिंदी दिवस ... उपलक्ष्य में हिंदी ... किया जा रहा है। ... दिन गुरुवार को हिं... मीडिया का प्रभाव ... प्रतियागिता का आय... किया गया।

प्रतियोगिता में एम... की छात्रा दीप्ति सिंह ... द्वितीय वर्ष की छात्रा गी... काजल दीक्षित, पारुल ... मोहिनी शर्मा, शिवानी ...

खेलकूद में छात्राओं ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में वार्षिक खेलकूद सप्ताह के द्वितीय दिवस भाला फेंक, लम्बी-कूद, रस्सी-कूद, मेढक-कूद, योगा, कराटे आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने झंडा फहराकर किया। द्वितीय दिवस भाला फेंक प्रतियोगिता में ... प्रथम, नंदिनी द्वितीय एवं ... में तनू ...

शर्मा ने प्रथम, गौरी ने द्वितीय एवं रूचि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कराटे में 30 भार वर्ग में टीना अग्रवाल ने प्र... 31-34 भार वर्ग में मानसी ने प्रथम प्राप्त किया, 38-42 भार वर्ग में प्रथम एवं सीता ने द्वितीय स्था... किया, 42-46 भार वर्ग में मेघ... व पूजा ने द्वितीय स्थान प्राप्त कि... 50 भार वर्ग में कल्पना ने प्रथम किया, 52-46 भार वर्ग में ... प्रथम तथा 56-60 भार व... शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त कि... डा. अंजूबाला ... कल्पना वाजपेयी, डा. ... मिश्रा, डा. भार...

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

जॉब फेयर

- कई नामी कंपनियों में हाथों-हाथ मिला जॉब
- जॉब फेयर में स्वच्छता की भी मौजूद लोगों ने ली शपथ

खजानी वूमेन इंस्टीट्यूट व आरसीएम बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त सौजन्य से आयोजित रोजगार मेले में 470 से ज्यादा युवतियों व महिलाओं ने पंजीकरण कराया ' कई का विभिन्न कंपनियों ने हाथों-हाथ चयन किया! इस मौके पर छात्राओं ने स्वच्छता के ऐप भी डाउनलोड कराते हुए स्वच्छता की शपथ ली।

मुख्य अतिथि बृज बिहार ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन चतुर्वेदी, सीता देवी तापड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट से रचना राठी, खजानी वुमेन इंस्टीटयूट से डा. हरिमोहन महेश्वरी, महाविद्यालय

रोजगार मेला माध्यम है ' उन्होंने खज... इंस्टिट्यूट के इस प्रयास की प्रशंसा की।

रोजगार मेले में 35 कंपनियों ने प्र... किया और लगभग 200 युवतियों को रो... हुआ प्रातः 11 से सायं 4.30 बजे तक रो... चला, जिसमें छात्राओं ने मथुरा व आसप...

छात्राओं को दिए परीक्षा तैयारी के टिप्स

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में आयोजित अतिथि व्याख्यान में 'प्रभाव पूर्ण तरीके परीक्षा की तैयारी' के लिए छात्राओं को टिप्स दिए गए।

अतिथि व्याख्यान में केआर ...के वरिष्ठ ... ने 'प्रभाव पूर्ण तरीके परीक्षा की तैयारी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने परीक्षा की तैयारी कैसे करें? हम पढ़ाई क्यों करते हैं? कैसे करें? याद कैसे रखें? परीक्षा हेतु समय प्रबंधन कैसे करें? उत्तर पुस्तिका में प्रभाव पूर्ण तरीके से कैसे उत्तर लिखें? आदि प्रश्नों को बहुत ही सहज तरीके से बताया। डा. अनिल सक्सेना ने छात्राओं को परीक्षा के बाद क्या करना है? आगे की क्या तैयारी करनी है? के बारे में भी बताया। छात्राओं ने अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में बीकाम प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं एमकॉम की छात्राएं उपस्थित रहीं। महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, डा. धर्मेन्द्र वर्मा, डा. सुषमा जैन, कु. रिंकी गौतम उपस्थित रहीं। संचालन वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्षा डा. सीमा शर्मा ने किया।

शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने की जरूरत : डॉ. प्रीति

प्रशासनिक ऑडिट की भूमिका विषय पर हुई संगोष्ठी

संवाद न्यूज एजेंसी

मथुरा। आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता प्राप्त करने में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि संगोष्ठी से निश्चित रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने में नई दिशा मिलेगी। समें सुधार की जरूरत है।

प्रो. सत्यशील ने कहा कि छात्र, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से संस्थानों की गुणवत्ता को सुधारा जा सकता है। डॉ. केके कनौडिया ने कहा कि हमारे सामने जो शिक्षा का रोल मॉडल पश्चिम से आया है, हम उसी का अनुसरण कर रहे हैं, जबकि उसमें सुधार की आवश्यकता है। डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि सभी महाविद्यालयों को 2024 तक नैक मूल्यांकन कराना होगा। डॉ. शोभा पाठक ने कहा कि हमारे महाविद्यालयों के पास संसाधनों की कमी है। प्रो. ए बालासुब्रह्मण्यम ने कहा कि शिक्षा में सुधार आज की मूलभूत आवश्यकता है। ... जौहरी ने नैक से ... पक्ष पर कहा ... गुणवत्ता में सुधा... महत्वपूर्ण भूमिक...

संगोष्ठी में ड... डॉ. अनिल सक... सिंह, डॉ. शि... एसके सक्सें... श्रीवास्तव, जय लक्ष्मी शमा, डा. ... तृप्ता शर्मा आदि ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

शैक्षिक गुणवत्ता अभिवृद्धि कार्यशाला संपन्न

बलदेव। गांव जुगसना स्थित सीबीएस कॉलेज में शैक्षिक गुणवत्ता अभिवृद्धि कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें कई विद्यालयों ... शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भा... नोडल अधिकारी डॉ. अ... यादव ने शैक्षणिक क्षमता ... लिए डॉ. अखिलेश याद... शिक्षकों को विशेष ज्ञान ... जानकारी प्रदान की। ... विकास, संवाद, कौशल ... प्रेरणात्मक गतिविधियां ... का प्रयोग, वार्षिक प्ल... प्रोजेक्ट निर्माण पर ... प्रबधंक सुधीर रावत ... सिकरवार, अवधेश ... आदेश दुबे मौजूद ...

खुशबू को स्टूडेंट ऑफ द इयर व संध्या सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का अवार्ड

जासं, मथुरा : आरसीए गर्ल्स पीजी कॉलेज में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन पूर्व विधायक प्रदीप माथुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रदीप माथुर ने कहा कि बालिकाओं को विशेष रूप से शिक्षा प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए, जिससे वे अपने जीवन पथ ... आने वाली बाधाओं को दूर कर ... कार्यक्रमों

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में मानसी राजपूत ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी

भाषण प्रतियोगिता, अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, साहित्यकार परिचय प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषा ज्ञान प्रतियोगिता, पद गायन प्रतियोगिता, स्पेलिंग कंपटीशन रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजन हुई प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं के ... किया गया। इसमें स्टूडेंट ... खुशब...

कार्यशाला के समापन पर हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

मथुरा। आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में अंग्रेजी विभाग में सात दिवसीय कार्यशाला में छात्राओं ने भाग लिया। समापन के बाद काव्यपाठ, वर्तनी प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता हुई।

काव्यपाठ प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मोहिनी शर्मा प्रथम, बबिता सैनी द्वितीय तथा शोभा वर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। ... प्रतियोगिता में मोहिनी शर्मा ... शर्मा प्रथम, खुशबू सिंह ... बबिता सैनी तृतीय स्थान ... अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता ... शर्मा एवं शोभा वर्मा प्रथम ... की द्वितीय स्थान पर रहीं। ... के पूर्ण होने के उपरांत ... सभी छात्राओं को प्रदान ... गए। प्रतियोगिताओं के ... मंडल में संस्कृत ... ध्यक्ष डॉ. अर्चना पाल एवं ... शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ... ना वाजपेयी रहीं। इससे पूर्व ... शाला का शुभारंभ ... विद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति ... हरी ने किया। संवाद

प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए कॉलेज में अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इनमें मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़ आदि जनपदों की टीमों ने भी भाग लिया। इसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

शुभारंभ प्रबंध समिति अध्यक्ष रमेशचन्द्र मित्तल, सचिव गिरीश अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, राजेन्द्र सर्राफ, विजय प्रकाश अग्रवाल, कौशल किशोर, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी एवं निर्णायकों ने मां सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर किया। इनमें सावित्री देवी मूलचन्द स्मृति वाद-विवाद, शांति देवी अग्रवाल स्मृति हिन्दी निबंध, किशनलाल सर्राफ स्मृति अंग्रेजी निबंध, हरीशचन्द्र अग्रवाल स्मृति भाषण, हरिदास अग्रवाल स्मृति सुगम संगीत, बालमुकुन्द कसेरे अंगूरी देवी स्मृति पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।

संगीत में मयूरी माथुर प्रथम, शाम्भवी शर्मा द्वितीय एवं मानसी राजपूत तृतीय रहीं। हिन्दी निबंध में उपमा प्रथम, सविता द्वितीय एवं फिरोजाबाद की अराधना तृतीय रहीं। अंग्रेजी निबंध में प्रज्ञा परमिता प्रथम, शिल्पा द्वितीय एवं दिव्य ज्योति तृतीय रहीं। वाद-विवाद में खुशबू प्रथम, निकिता वार्ष्णेय द्वितीय एवं पूजा सारस्वत तृतीय रहीं। भाषण में शिल्पा चक्रवर्ती प्रथम, अर्शी नाज द्वितीय एवं फिरोजाबाद की अनुराधा गोयल तृतीय रहीं। पर्यावरण विषयक पोस्टर प्रतियोगिता में गुंजन गौतम प्रथम, अंजलि द्वितीय, स्मृति श्रीलोचन तृतीय रहीं। इनमें अंग्रेजी निबंध, सुगम संगीत, पोस्टर प्रतियोगिताओं में आरसीए कॉलेज, हिन्दी निबंध और वाद-विवाद में केआर कॉलेज विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की।

इनमें निर्णायक गजल गायक गोपाल, संगीत गायिका काकुली अधिकारी, डा. विनय लक्ष्मी, सोम, कल्पना सारस्वत, अनुराधा रूहेला, डा. लक्ष्मी गौतम, डा. चन्द्रभान गुप्ता, किशन चतुर्वेदी, डा. अशोक जौहरी, डा. सुलेखा जादौन एवं डा. शिखा मालविया रहे। संयोजिका डा. अंजूबाला अग्रवाल एवं संचालन डा. भारती सागर ने किया।

शिव ... स्नेहा गौर ने एकल नृत्य ... किया। इसमें आत्मरक्षा कौशल, ... रहा।

मेले में 232 युवतियों को मिला रोजगार

रोजगार मेले के दौरान रोजगारों की सूची देखती छात्राएं • जागरण

जासं, मथुरा: आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में खजानी वूमेंस इंस्टीट्यूट, आरसीए महाविद्यालय की करियर काउंसिलिंग प्रकोष्ठ के संयुक्त संयोजन में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्रज विहार ग्रुप के एमडी पवन चतुर्वेदी व रचना राठी, तपारिया ट्रस्ट की ट्रस्टी सीतादेवी, खजानी वूमेन इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर व सलाहकार बोर्ड की अध्यक्षा शिप्रा राठी, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, अध्यक्ष रमेश चंद्र मित्तल, उपाध्यक्ष रामबाबू, प्रबंध समिति के सचिव गिरीश अग्रवाल व डॉयरेक्टर डॉ. संध्या ने किया।

प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा की रोजगार मेले में युवतियों को उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप रोजगार प्राप्त होगा। रोजगार मेले में 35 कंपनियों ने अपनी सहभागिता निभाई। शिप्रा राठी ने बताया कि मेले के दौरान आरसीए महाविद्यालय व खजानी महिला संस्थान की छात्राओं के अतिरिक्त अन्य युवतियों ने भी अपना पंजीयन करवाया। इसमें करीब 470 युवतियों ने रोजगार के लिए पंजीकरण कराया। जिनमें से करीब 232 युवतियों को रोजगार मिला। कार्यक्रम में डॉ. अंजूबाला अग्रवाल, डॉ. नम्रता मिश्रा, डॉ. भारती सागर, मंजू दलाल, डॉ. सोमा दास, पूजा राय, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. नीतू गोस्वामी, डॉ. सुषमा जैन, डॉ. योगेंद्री आदि मौजूद थीं।

Sweet Memories .....

आर.सी.ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, वृन्दावनगेट, मथुरा

मो. 9084011181, website : www.rcagirlscollege.org